10

चित्तौड़गढ़ में दशोरा परिवार

जनसंख्या (1.1.2006)

मेवाड़ में उदयपुर के बाद वर्तमान में सर्वाधिक दशोरा परिवार चित्तौड़गढ़ में ही निवास कर रहे है। चित्तौड़गढ़ में पहले एक भी दशोरा परिवार नहीं था। सर्वप्रथम घोसुण्डी के श्री जगन्नाथ जी दशोरा तथा श्री राम शंकर जी के दो परिवार यहाँ आकर बस गये थे। इसके बाद समय – समय पर अन्य भी कई परिवार आसपास के गाँवों से आकर बसते रहे। कुछ परिवारों ने नौकरी आदि के कारण लम्बे समय तक यहाँ रहने के कारण यहीं अपना स्थाई निवास बना लिया तथा राणाप्रताप सागर बांध बनने से वहाँ के कई गाँव डूब में आ गये जिससे वहाँ के विस्थापित कई परिवार यहाँ आकर बस गये तथा कई परिवार यहाँ अस्थाई रूप से रह रहे हैं जिनकी वर्तमान में (1.1.2006 को) जनसंख्या निम्न प्रकार से है।

क्र.सं.	कहाँ से आये	गोत्र	परिवार संख्या	जनसंख्या
1.	घोसुण्डी	भारद्वाज	19	80
2.	घोसुण्डा	भार्गव	18	115
3.	सांवता	भार्गव	1	15
4.	बेठूम्बी	भारद्वाज	8	32
5.	मालीखेड़ा	कौरव्य	2	15
6.	गोयत	कौरव्य	7	33
7.	अरण्या	कौरव्य	1	9
8.	पीला	भारद्वाज	2	15
9.	झालावाड़	भारद्वाज	3	15
10.	जन्नोद	कौशल्य	1	5
11.	कुआखेड़ा	कौशल्य	3	13
12.	छोटीसादड़ी	कौशल्य	1	4
13.	मातासरा	कौशल्य	1	10
14.	जालखेड़ा	कौरव्य	1	4
15.	कैलाशपुर	कौरव्य	1	4
16.	इन्दोर	कौशल्य	1	4
17.	रूद्राखेड़ा	कौरव्य	1	4
18.	झरझणी	कौशल्य	1	8
19.	भैसरोगढ़	धनंजय	1	4
		कुल योग	73	389

इनकी गोत्रानुसार संख्या इस प्रकार है-

क्र.सं.	गोत्र	कुल परिवार	जनसंख्या
1.	भारद्वाज	– 32	142
2.	भार्गव	– 19	130
3.	कौरव्य	– 13	69
4.	कौशल्य	– 8	44
5.	धनंजय	– 1	4
	योग	73	389

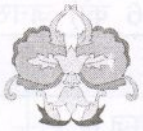

स्वर्ण वाक्य

- ❑ आँख के बदले आँख' के प्राचीन सिद्धान्त से तो एक दिन सभी अंधे हो जायेंगे। (अज्ञात)
- ❑ नदी को पार करना पौरूष का काम है, वरना बहाव के साथ तो लाशें भी चली जाती है। (अज्ञात)
- ❑ सब दुश्मनों से अक्ल का दुश्मन सबसे बड़ा होता है। (अरस्तू)
- ❑ भीड़ जुटाना आसान है पर रोक पाना मुश्किल। (रींगल)
- ❑ बहस करना बहुतों को आता है, बातचीत करना थोड़ो को। (ऑलकॉट)
- ❑ विनम्र के सामने दंभी और दंभी के सामने विनम्र मत बनो। (डेविस)
- ❑ जो व्यक्ति मूर्खों के सामने विद्वता दिखाने का प्रयास करता है, वह विद्वानों के सामने मूर्ख दिखाई देता है। (अज्ञात)
- ❑ जीवन को सफल बनाने के लिए शिक्षा की जरूरत है, डिग्री की नहीं। (प्रेमचन्द)
- ❑ जोर से हमें वही बात कहनी पड़ती है, जो सच्ची नहीं होती है। (अज्ञात)
- ❑ पुरूष स्थानीय राजनीति में इसलिए जाते हैं कि उनका वैवाहिक जीवन सुखी नहीं होता। (कार्किसन)